English → Hindi

लाइव देखें BBC सदस्यता लें दाखिल करना

बॉन्डी गोलीबारी के संदिग्धों के बारे में हमें क्या पता है

6 दिन पहले

शेयर करना बचाना

पैट्रिक जैक्सन

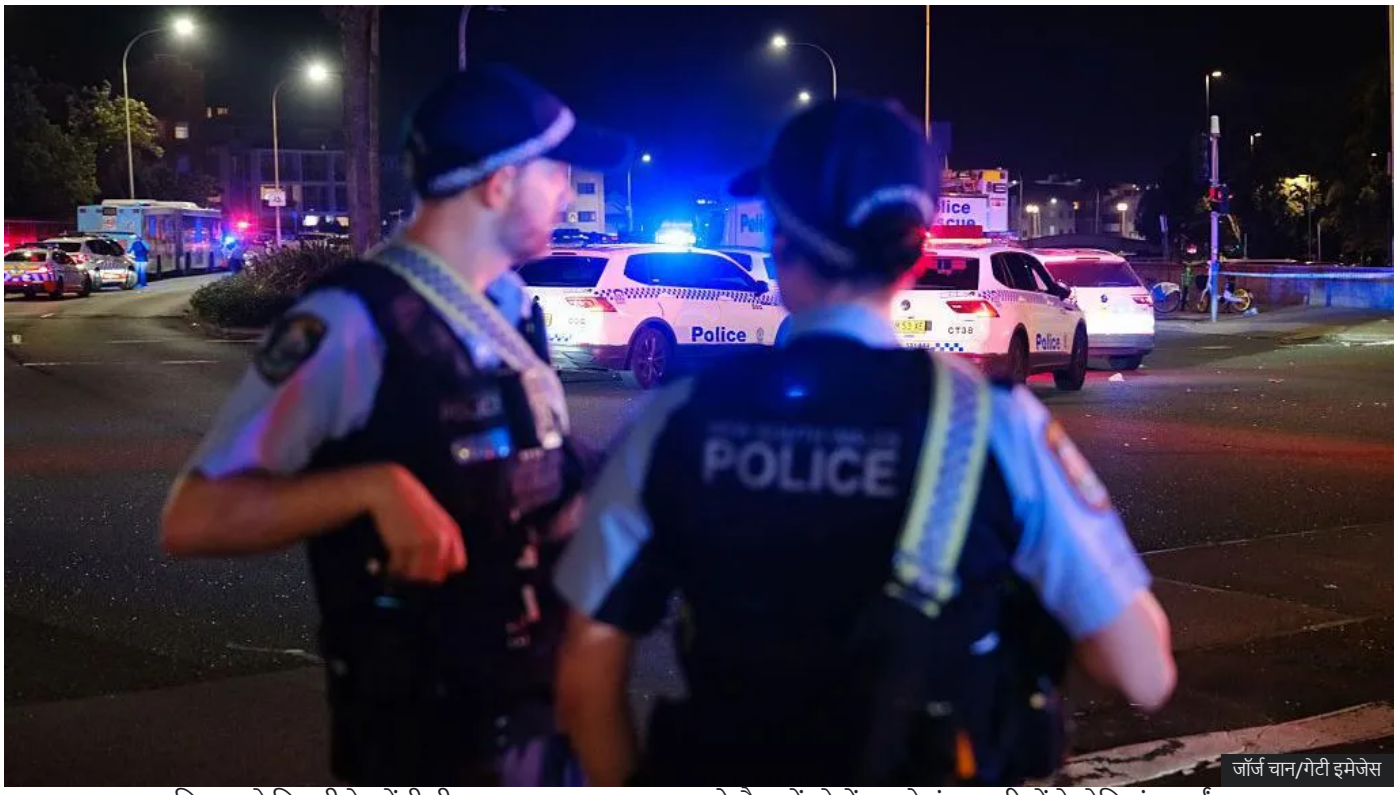

जॉर्ज चान/गेटी इमेजेस

रविवार को सिडनी के बोंडी बीच पर हनुक्का उत्सव मना रहे सैकड़ों लोगों पर दो बंदूकधारियों ने गोलियां चलाईं, जिसमें 15 लोग मारे गए और 27 लोग घायल होकर अस्पताल में भर्ती हैं।

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने एक पिता और पुत्र को संदिग्धों के रूप में पहचाना है। घटनास्थल पर पुलिस के साथ गोलीबारी में पिता की मौत हो गई, जबकि पुत्र घायल हो गया और गंभीर चोटों के साथ अस्पताल में भर्ती है।

देश में दशकों में हुई सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना में, हमले में यहूदी लोगों को निशाना बनाया गया और इसे एक आतंकवादी घटना के रूप में देखा जा रहा है।

पीड़ितों में एक 10 वर्षीय लड़की , होलोकॉस्ट से बचे एक व्यक्ति और दो रब्बी शामिल हैं।

वीरता की असाधारण कहानियां सामने आई हैं, जिनमें एक व्यक्ति का बंदूकधारियों में से एक से भिड़ना और एक दंपति का हस्तक्षेप करके दूसरों की रक्षा करने की कोशिश करना शामिल है , लेकिन वे मारे गए।

दोनों संदिग्धों ने इस्लामिक स्टेट समूह के प्रति निष्ठा की शपथ ली है। उनके बारे में हमें जो जानकारी है, वह इस प्रकार है।

पिता और बेटा

संदिग्धों के बीच संबंधों की पुष्टि ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने की, हालांकि उन्होंने उन व्यक्तियों के नाम नहीं बताए।

ऑस्ट्रेलियाई सार्वजनिक प्रसारक, एबीसी ने मृतकों की पहचान 24 वर्षीय नवीद अकरम के रूप में की है, जो पुलिस की निगरानी में अस्पताल में भर्ती हैं, और उनके मृत पिता 50 वर्षीय साजिद अकरम के रूप में की है।

बर्क ने संकेत दिया कि पिता के पास ऑस्ट्रेलिया में स्थायी निवास था, हालांकि उन्होंने उनकी राष्ट्रीयता का विवरण नहीं दिया, लेकिन भारतीय पुलिस सूत्रों ने बाद में कहा कि वह मूल रूप से भारतीय शहर हैदराबाद के रहने वाले थे ।

भारतीय पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि साजिद अकरम ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद से केवल छह बार भारत आए थे और उनके परिवार ने "उनकी कट्टरपंथी मानसिकता या गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार किया"।

बर्क ने कहा कि साजिद अकरम 1998 में छात्र वीजा पर ऑस्ट्रेलिया आए थे। बाद में, 2001 में, उन्होंने पार्टनर वीजा में अपना वीजा बदलवाया और विदेश यात्राओं के बाद रेजिडेंट रिटर्न वीजा प्राप्त किया।

गृह मामलों के मंत्री ने कहा कि बेटा ऑस्ट्रेलिया में जन्मा नागरिक है।

'यह तो होना ही था': ऑस्ट्रेलियाई यहूदियों ने बोंडी हमले पर दुख और आक्रोश व्यक्त किया
बॉन्डी बीच पर हनुक्का के दौरान हुई गोलीबारी के बारे में हम क्या जानते हैं

'इस्लामिक स्टेट के प्रति निष्ठा'

प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने पुष्टि की है कि बेटे, नवीद अकरम, पर पहली बार 2019 में ऑस्ट्रेलियाई खुफिया एजेंसी (एएसआईओ) का ध्यान गया था।

उन्होंने कहा, "अन्य लोगों के साथ उसके संबंध के आधार पर उसकी जांच की गई और यह आकलन किया गया कि उसके द्वारा हिंसा में शामिल होने या किसी भी प्रकार के निरंतर खतरे का कोई संकेत नहीं था।"

अल्बानीज़ ने कहा कि दोनों संदिग्धों ने अकेले ही इस कृत्य को अंजाम दिया था और वे किसी बड़े चरमपंथी संगठन का हिस्सा नहीं थे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वे "स्पष्ट रूप से" "चरमपंथी विचारधारा" से प्रेरित थे।

एबीसी का कहना है कि उसे मिली जानकारी के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त आतंकवाद विरोधी टीम (जेसीटीटी) के जांचकर्ताओं का मानना है कि हमलावरों ने इस्लामिक स्टेट समूह (आईएस) के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी।

पूर्व में इराक और सीरिया में सक्रिय आईएस ने दुनिया भर में नागरिकों पर विनाशकारी हमले किए या उनकी जिम्मेदारी ली, जिनमें 2015 के पेरिस हमले शामिल हैं , जिनमें 130 लोग मारे गए थे और पिछले साल रूस में क्रोकस कॉन्सर्ट हॉल पर हमला हुआ था , जिसमें 145 लोग मारे गए थे।

नाम न बताने की शर्त पर एबीसी से बात करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बोंडी में आरोपियों की कार में आईएस के दो झंडे मिले थे।

जेसीटीटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस द्वारा आईएस के हमले की योजना को विफल करने के बाद एएसआईओ ने 2019 में नवीद अकरम में दिलचस्पी दिखाई थी।

अधिकारी ने कहा कि नावेद, इसहाक अल मतारी से "घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ" था, जिसे 2021 में ऑस्ट्रेलिया में आतंकवादी अपराधों के लिए सात साल की जेल हुई थी।

मातारी ने ऑस्ट्रेलिया में खुद को आईएस का कमांडर घोषित किया था।

बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी की घटना पल-पल कैसे घटी

फिलीपीन उग्रवादियों से संभावित संबंध

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने पुष्टि की है कि वे पिछले महीने संदिग्धों द्वारा फिलीपींस की यात्रा की जांच कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता कॉर्नेलियो वालेंसिया ने कहा कि परिषद फिलीपींस में आतंकवादी समूहों से इन लोगों के संभावित संबंधों और वहां रहते हुए उनकी विशिष्ट गतिविधियों की जांच कर रही है।

फिलीपींस के आव्रजन ब्यूरो ने पुष्टि की है कि साजिद और नवीद अकरम ने 1 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया से फिलीपींस की यात्रा की थी।

ऐसा लगता है कि वे वहां चार सप्ताह तक रहे और 28 नवंबर को सिडनी वापस लौट आए।

बीबीसी न्यूज़ को आव्रजन प्रवक्ता ने बताया कि पिता और पुत्र ने मिंडानाओ क्षेत्र के दावो शहर को अपना गंतव्य घोषित किया है। मिंडानाओ मुख्य रूप से रोमन कैथोलिक फिलीपींस में मुस्लिम अल्पसंख्यकों का घर है।

आईएस के प्रति निष्ठा रखने वाले आतंकवादियों ने 2017 में फिलीपींस के दक्षिण में सरकार के साथ पांच महीने तक युद्ध लड़ा, लेकिन तब से विद्रोही गतिविधियों में काफी कमी आई है।

देश के सबसे बड़े मुस्लिम विद्रोही समूह के साथ हुआ शांति समझौता अभी भी प्रभावी है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि वे "आतंकवादी" समूहों का पीछा करना जारी रखे हुए हैं।

फिलीपीन सेना ने कहा कि अभी तक इस बात की कोई पुख्ता पुष्टि नहीं हुई है कि अकरम परिवार ने देश में "सैन्य शैली का प्रशिक्षण" लिया था।

आग्नेयास्त्र लाइसेंस

संदिग्धों ने हमले के दौरान लंबी बैरल वाली बंदूकों का इस्तेमाल किया और एक छोटे पुल से गोलियां चलाईं।

अल्बनीज़ ने बताया कि उनकी कार से कई देसी बम भी बरामद हुए।

न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त माल लैन्योन ने कहा कि पुलिस ने घटनास्थल से छह आग्नेयास्त्र बरामद किए हैं और पुष्टि की है कि छह आग्नेयास्त्र पिता के नाम पर लाइसेंस प्राप्त थे।

ऑस्ट्रेलिया में दुनिया के कुछ सबसे सख्त बंदूक कानून हैं, और किसी भी व्यक्ति को आग्नेयास्त्र रखने और उसका उपयोग करने के लिए "वास्तविक कारण" होना आवश्यक है।

कमिश्नर लैन्योन ने कहा कि पिता मनोरंजन के लिए शिकार करने हेतु आग्नेयास्त्र लाइसेंस की पात्रता मानदंडों को पूरा करते थे।

उन्होंने कहा, "हथियार लाइसेंस के संदर्भ में, हथियार रजिस्ट्री सभी आवेदनों की पूरी तरह से जांच करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति हथियार लाइसेंस रखने के लिए योग्य और उपयुक्त है।"

न्यू साउथ वेल्स में शिकार का लाइसेंस प्राप्त करने की पात्रता इस बात पर निर्भर करती है कि व्यक्ति किस प्रकार के जानवर का शिकार करना चाहता है, शिकार का कारण क्या है और वह किस भूमि पर शिकार करना चाहता है।

'सामान्य लोग'

देखें: बीबीसी की कैटी वॉटसन ने बोंडी में हमलावरों के घर से रिपोर्ट की

नवेद और साजिद अकरम सिडनी के दक्षिण-पश्चिम उपनगर बोनीरिग में रहते थे, जो बोंडी से लगभग एक घंटे की ड्राइव की दूरी पर अंतर्देशीय क्षेत्र में स्थित है।

रविवार की गोलीबारी से कुछ सप्ताह पहले, दोनों व्यक्ति कैम्पसी के उपनगर में एक एयरबीएनबी में रहने चले गए थे, जो वहां से 15 से 20 मिनट की ड्राइव पर स्थित है।

बोनीरिग स्थित घर में रविवार रात पुलिस की छापेमारी के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया और उन्हें वापस उसी संपत्ति पर लाया गया।

बीबीसी न्यूज ने सोमवार को उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वे मीडिया से बात करने के लिए बाहर नहीं आए।

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, एक महिला जिसने खुद को बंदूकधारियों की पत्नी और मां बताया, ने कहा कि दोनों ने उसे बताया था कि वे बोंडी जाने से पहले मछली पकड़ने जा रहे हैं।

रॉयटर्स समाचार एजेंसी बोनीरिग को एक श्रमिक वर्ग का, सुव्यवस्थित इलाका बताती है, जहाँ जातीय रूप से विविध आबादी रहती है।

स्थानीय निवासियों ने रॉयटर्स को बताया कि अकरम परिवार अपने आप में ही रहता था, लेकिन इलाके के अन्य परिवारों की तरह ही दिखता था।

66 वर्षीय लेमानतुआ फातु ने कहा, "मैं हमेशा उस पुरुष, उस महिला और उनके बेटे को देखता हूं। वे सामान्य लोग हैं।"

'कुरान पढ़ने वाले सभी लोग इसे समझते नहीं हैं।'

एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, नवीद अकरम ने 2019 के अंत में आवेदन करने के बाद पश्चिमी सिडनी के अल मुराद संस्थान में एक वर्ष तक कुरान और अरबी भाषा का अध्ययन किया।

संस्थान के संस्थापक एडम इस्माइल ने कहा कि बोंडी में हुई गोलीबारी एक "भयानक आघात" थी और इस्लाम में ऐसे हमले वर्जित हैं।

उन्होंने सोमवार को कहा, "मुझे जो बात पूरी तरह से विडंबनापूर्ण लगती है, वह यह है कि जिस कुरान को वह पढ़ना सीख रहा था, उसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एक निर्दोष व्यक्ति की जान लेना पूरी मानवता की हत्या करने के बराबर है।"

"इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि कल बोंडी में जो कुछ हुआ वह इस्लाम में पूरी तरह से वर्जित है। कुरान पढ़ने वाले सभी लोग इसे समझते या इसके उपदेशों के अनुसार जीवन यापन नहीं करते, और दुख की बात है कि यहाँ भी यही स्थिति प्रतीत होती है।"

सिडनी | इस्लामिक स्टेट समूह | ऑस्ट्रेलिया

संबंधित

बॉन्डी में बहादुरी: लाइफगार्ड, एक 'सुपरहीरो' मां और एक दंपति जो लड़ते हुए शहीद हो गए

▶ देखें: बोंडी के हीरो अहमद अल अहमद को अस्पताल में 2.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1.24 मिलियन पाउंड) का उपहार मिला

▶ सर्फर और तैराकों ने बोंडी गोलीबारी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी